# कौटिल्य एकेडमी

MAINS / PAG

नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

PART.......1.......

PAPER.....HISTORY.....

DATE..................

**Paper Code**
**GS-IV**

306666

306666

**Paper Code**
**GS-IV**

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखें –
(1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 0)

| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
|---|---|---|---|---|---|

रोल नंबर शब्दों में लिखें –.......................

नाम.....SHIVAM YADAV.....

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
|---|---|---|---|---|---|
| ● | ● | ● | ● | ● | 0 |
| 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | ● |
| 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 |
| 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 |
| 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 |
| 5 | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 |
| 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 |
| 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 |

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें

वीक्षक द्वारा भरा जावे।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

○

# कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है।

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

20x02=

प्रश्नः (1.1) पू./M = प्राप्तांक

उत्तर : (i) जैन धर्म के पंचमहाव्रतों में से एक।
(ii) अर्थात संपत्ति का संग्रह न करना।

प्रश्नः (1.2) पू./M = प्राप्तांक

उत्तर : (i) हाथीगुम्फा शिलालेख → कलिंग में स्थित
(ii) कलिंग के राजा खारवेल द्वारा स्थापित
(iii) कलिंग राजवंश की जानकारी का महत्वपूर्ण स्रोत

प्रश्नः (1.3) पू./M = प्राप्तांक

उत्तर : (i) बुद्ध द्वारा प्रतिपादित चार आर्य सत्यों में प्रतिपादित चौथे आर्य सत्य दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा के अंतर्गत
(ii) निर्वाण प्राप्ति हेतु मार्ग

प्रश्नः (1.4) पू./M = प्राप्तांक

उत्तर : (i) मौखरि वंश → कन्नौज
(ii) प्रमुख शासक → हरिवर्मा, यज्ञवर्मा, ईशानवर्मा
(iii) हूणों को पराजित कर पूर्वी भारत को उनके आक्रमण से बचाया

प्रश्नः (1.5) पू./M = प्राप्तांक

उत्तर : (i) कोक्कल-I → त्रिपुरी
(ii) त्रिपुरी के कलचुरि वंश का संस्थापक

# कौटिल्य एकेडमी

MAINS / PAG

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है।

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

प्रश्नः (1.6)

उत्तर : (i) अराविदु वंश (1570 - 17वीं सदी)

(ii) विजयनगर साम्राज्य का अंतिम हिंदू राजवंश

प्रश्नः (1.7)

उत्तर : (i) सूरत का नमक विद्रोह 1844 ई. में अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध हुआ था

(ii) अंग्रेजों ने नमक पर कर 50 पैसे बढ़ाकर 1 रु. कर दिया था

प्रश्नः (1.8)

उत्तर : (i) श्री नारायण धर्म परिपालन आंदोलन (1903)

(ii) पिछड़े वर्गों का उच्च जाति के विरुद्ध आंदोलन

(iii) यह क्षेत्रीय आंदोलन था मुख्यतः केरल में

प्रश्नः (1.9)

उत्तर : (i) जम्मू कश्मीर राज्य की एक राजनीतिक पार्टी

(ii) 1939 में नाम बदलकर नेशनल कॉन्फ्रेंस रखा

प्रश्नः (1.10)

उत्तर :

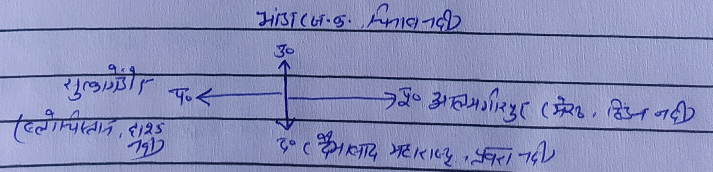

# कौटिल्य एकेडमी



प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है।

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

प्रश्नः (1.11)

उत्तर : (i) अश्वघोष → चतुर्थ बौद्ध संगीति (प्रथम शताब्दी ईस्वी) में उपाध्यक्ष

(ii) सौंदरानंद व बुद्धचरित के लेखक

(iii) कनिष्क के समकालीन

प्रश्नः (1.12)

उत्तर : (i) संस्थापक - वासुदेव

(ii) पृथ्वीराज तृतीय सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासक

(iii) शासक अजयराज ने अजमेर नगर की स्थापना की

प्रश्नः (1.13)

उत्तर : (i) श्री रामानुजाचार्य → मध्यकाल में भक्ति आंदोलन के प्रतिपादक

(ii) विशिष्टाद्वैत की अवधारणा दी

(iii) ईश्वर की सगुण रूप में भक्ति पर बल

प्रश्नः (1.14)

उत्तर : (i) ब्लू वाटर पॉलिसी - पुर्तगाली गवर्नर फ्रांसिस्को दे अल्मीडा द्वारा लागू

(ii) मुख्य उद्देश्य हिंद महासागर को नियंत्रित करना

प्रश्नः (1.15)

उत्तर : (i) मोपला विद्रोह → 1921 (केरल)

(ii) भूस्वामियों के अत्याचार के विरुद्ध

(iii) मोपला मालाबार के मुस्लिम किसान थे

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है।

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

08x05=

प्रश्नः (2.1)

उत्तर : मगध जनपद के विकास में योगदान देने वाले प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं-

(i) मगध की सफलता में मगध की भौगोलिक परिस्थिति को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

(ii) मगध की राजधानी राजगीर 5 पहाड़ियों से घिरी थी एवं नई राजधानी पाटलीपुत्र गंगा व सोन के संगम स्थल पर स्थित थी।

(iii) मगध का लौह अयस्क व ताम्बा खनिज क्षेत्रों पर अधिकार था।

(iv) समीपवर्ती वनों से प्राप्त हाथियों से शक्तिशाली गज सेना का निर्माण

(v) मगध शासकों ने महत्वपूर्ण वैवाहिक संधियां भी की जिससे साम्राज्य निर्माण में सहायता मिली।

प्रश्नः (2.2)

उत्तर : इतिहासकारों ने वैदिक समाज को महिलाओं के स्वर्ण काल के रूप में चिन्हित किया है।

(i) ऋग्वैदिक काल में महिलाएं सभा व समिति में भाग लेती थी

(ii) बाल विवाह नहीं होते थे।

(iii) सामान्यतः एकपत्नीत्व विवाह ही होते थे किंतु कुलीन वर्ग कई पत्नियां रखता था

(iv) स्त्रियां पति के साथ यज्ञ आदि में भाग ले सकती थी।

(v) स्त्रियों को स्वयंवर का अधिकार था

(vi) पुनर्विवाह व नियोग प्रथा भी प्रचलित थी।

(vii) समाज में स्त्रियों की दशा सम्मानजनक थी।

# कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

पू./M =

प्राप्तांक

प्रश्नः (2.3)

उत्तर : → त्रिपुरी का कल्चुरी वंश → चंदेल राज्य के द. में स्थित

(i) राजधानी त्रिपुरी (जबलपुर)

(ii) संस्थापक → वामराजदेव (उपाधि परमभट्टारक महाराजाधिराज परमेश्वर)

(iii) कर्ण के जबलपुर अभिलेख प्रमुख अभिलेखीय साक्ष्य

(iv) कोक्कल प्रथम पहला व वास्तविक संस्थापक

(v) अमरकंटक के मंदिरों का निर्माण कल्चुरियों ने करवाया था

(vi) वंश का अंतिम शासक विजयसिंह

पू./M =

प्रश्नः (2.4)

उत्तर : भारत पर बाबर की विजय के विभिन्न कारक निम्नलिखित है -

(i) वह एक बड़े साम्राज्य की स्थापना करना चाहता था।

(ii) वह भारत से अत्याधिक धन चाहता था।

(iii) उजबेकों से बचने हेतु भारत सुरक्षित शरणस्थली

(iv) भारत की ~~[illegible]~~ विकेंद्रित राजनीतिक स्थिति

(v) पंजाब के गवर्नर दौलत खां लोदी के पुत्र दिलावर खां लोदी का प्रतिनिधि के रूप में बाबर के पास जाना उसकी भारत पर आक्रमण के तात्कालिक कारणों में से एक था।

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है।

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

08x05=40

प्रश्नः (2.5)

पू./M = 0

प्राप्तांक

उत्तर : बक्सर का युद्ध 22 अक्टूबर 1764 को अंग्रेजों व बंगाल के नवाब मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला व शरणार्थी मुगल शहंशाह शाह आलम के संघ के बीच हुआ।

यह युद्ध अंग्रेजों के लिए निर्णायक माना जाता है क्योंकि

(i) भारत में अब अंग्रेजों को चुनौती देने वाला कोई दूसरा रह नहीं गया था

(ii) अंग्रेजों को बंगाल पर पूर्ण राजनीतिक नियंत्रण स्थापित हुआ

(iii) मुगल सम्राट अंग्रेजों का पेंशनर बन गया

(iv) दिल्ली का मार्ग खुल गया था।

प्रश्नः (2.6)

पू./M

प्राप्तांक

उत्तर :

# कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होंगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। **08x05=40**

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

प्रश्नः (2.7) पू./M = 05 प्राप्तांक

उत्तर :

| श्वेतांबर | दिगंबर |
|---|---|
| (i) ये श्वेत वस्त्र धारण करते थे | (i) ये नग्न रहते थे |
| (ii) स्त्री कैवल्य की अधिकारिणी है | (ii) स्त्री कैवल्य की अधिकारिणी नहीं है |
| (iii) श्वेतांबर 14 वस्तुएं रख सकते हैं | (iii) पर्व तथा वस्त्र के अतिरिक्त कुछ नहीं |
| (iv) तीर्थंकरों का जीवन चरित लिखते समय 'चरित' शब्द का उल्लेख करते हैं | (iv) ये पुराण शब्द का उल्लेख करते हैं |
| (v) प्रमुख केंद्र - मगध, मथुरा, उज्जैन | (v) कर्नाटक |

प्रश्नः (2.8) पू./M = 05 प्राप्तांक

उत्तर : कौटिल्य को भारत का मैकियावेली भी कहा जाता है। उन्होंने भारतीय प्रशासन पर ~~'अर्थव्यवस्था' नाम~~ अर्थशास्त्र नाम की पुस्तक की रचना की।

अर्थशास्त्र की भाषा संस्कृत है। यह गद्य-पद्य मिश्रित शैली में है।

इसका मूल विषय राजव्यवस्था, दंडनीति इत्यादि है।

इसमें 18 अधिकरण तथा 180 प्रकरण हैं।

अर्थशास्त्र को मौर्यकालीन समाज का दर्पण कहा जाता है क्योंकि इससे मौर्यकालीन प्रशासन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है।

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

04x20=80

प्रश्नः (3.1)

पू./M = 2

प्राप्तांक

उत्तर : मौर्य सम्राट अशोक (273 ई.पू. - 232 ई.पू.) "भारतीय इतिहास का एकमात्र व्यक्तित्व जिसे समझने के लिए आपको सर्वाधिक पन्ने पढ़ने पड़ेंगे"

(i) प्रारंभिक जीवन: जानकारी के मुख्य स्रोत - बौद्ध ग्रंथ

→ जन्म - पाटलीपुत्र

→ पिता - बिंदुसार, माता - शुभद्रांगी

→ दादा - चंद्रगुप्त मौर्य

(ii) उज्जैन के गवर्नर के रूप में :-

→ अशोक 11 वर्ष तक उज्जैन का प्रांतपाल था

→ उज्जयिनी को अपनी राजधानी बनाया

→ गुर्जरा व रूपनाथ लघु शिलालेख से अशोक के शासन की जानकारी प्राप्त होती है।

→ गुर्जरा लघु शिलालेख में अशोक का नाम देवनामप्रिय, अशोक, प्रियदर्शि उल्लेखित है

→ अशोक ने शकवंशी व्यापारी कुमारदेव की पुत्री कुमारदेवी से विवाह किया

→ अशोक ने सांची के स्तूप का निर्माण कराया

अशोक शासक के रूप में -:

→ बिंदुसार की मृत्यु के बाद 273 ई. में अशोक सिंहासनारूढ़ हुआ।

अशोक का अपने भाई सुसीम से सत्ता के लिए संघर्ष हुआ जिसमें अशोक विजयी रहा।

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है।

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks. 04x20

प्रश्न 3: (3.1) Continued (जारी)

↳ अशोक ने 'राधागुप्त' नामक मंत्री को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया

↳ अशोक ने पाटलिपुत्र में 'नरक द्वार (यातना गृह)' बनवाया

(य) कलिंग युद्ध

↳ अशोक के राज्याभिषेक के बाद उसकी प्रथम व अंतिम विजय कलिंग की थी

↳ अशोक ने राज्याभिषेक के 8वें वर्ष (261 ई.पू.) कलिंग राज्य पर आक्रमण किया

↳ कलिंग युद्ध का वर्णन हमें अशोक के 13 वें शिलालेख से ज्ञात होता है

↳ कलिंग युद्ध का कारण महानदी गोदावरी घाटी का समृद्ध क्षेत्र था जो व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध था

↳ युद्ध के बाद कलिंग राज्य का विनाश प्रारंभ हो गया

↳ सैन्य विजय की नीति का त्याग धम्म विजय ने ले लिया

↳ इस प्रकार कलिंग मगध साम्राज्य का प्रांत बना लिया गया

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 2

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.2)

उत्तर : भक्ति आंदोलन भारतीय समाज में मूक क्रांति :

मध्यकाल में कई धार्मिक विचारकों व सुधारकों ने भारत की सामाजिक - धार्मिक जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से भक्ति को साधन बनाकर एक आंदोलन प्रारंभ किया जो भक्ति आंदोलन के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

अपने शांत स्वरूप के कारण इसे मूक क्रांति भी कहा जाता है।

⇒ इस आंदोलन के प्रतिपादक शंकराचार्य हैं।

⇒ भक्ति आंदोलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू धर्म में सुधार व समाज में सुधार एवं हिंदू मुस्लिम एकता को स्थापित करना था।

⇒ द. भारत से लेकर उत्तर भारत तक विभिन्न संतों ने इस आंदोलन में योगदान दिया व इसे आगे बढ़ाया। जिनमें शंकराचार्य रामानुजाचार्य, निम्बार्काचार्य, मध्वाचार्य, इत्यादि हैं।

⇒ संत रामानंद इस आंदोलन को द. भारत से उत्तर भारत में लाये। इन्होंने विष्णु की उपासना के स्थान पर राम की भक्ति पर बल दिया।

⇒ पं. बंगाल में चैतन्य, असम में शंकरदेव, पंजाब में नानक तो महाराष्ट्र में संत तुकाराम ने इस आंदोलन को बढ़ाया।

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=8

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.2) Continued (जारी)

⇒ आंदोलन की विशेषता व प्रभाव

↳ संतो ने भक्ति आंदोलन का प्रचार-प्रसार जनसाधारण की भाषा में किया जिससे सामान्य जनसाधारण लोग प्रमुखता से जुड़े

↳ उन्होंने एकेश्वरवाद व कर्मवाद पर बल दिया।

↳ धर्म की गूढ़ता का सरलीकरण किया

↳ कुछ नए तत्वों को जैसे भजन, संकीर्तन आदि को धार्मिक परंपराओं से जोड़ा

↳ वर्णव्यवस्था को अस्वीकार कर सभी वर्गों व निम्न कहे जाने वाले वर्गों को स्वीकार किया

↳ संतों ने पारिवारिक एवं आर्थिक कष्टों को दूर करने के लिए एक दूसरे पर आश्रित रहने वालों का विरोध किया एवं कर्मवाद पर बल दिया

↳ भक्ति आंदोलन ने संगीत को भी प्रोत्साहित किया

वस्तुतः हम कह सकते हैं कि बौद्ध धर्म के पतन के पश्चात भक्ति आंदोलन जैसा सशक्त देशव्यापी आंदोलन देश में कभी नहीं हुआ

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यता करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है।

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

04x20=8

प्रश्नः (3.4)

पू./M =

प्राप्तांक

उत्तर : चोल राजवंश :-

- द. भारत का प्रमुख राजवंश
- चोल पल्लवों के सामंत थे।
- राजवंश की स्थापना विजयालय द्वारा की गई।
- सर्वाधिक महत्वपूर्ण राजा राजेंद्र-I था जिसने संपूर्ण श्रीलंका को जीत लिया।
- राजेंद्र प्रथम ने 1022 ई. में गंगा का अभियान किया व बंगाल के पाल शासक महीपाल को पराजित किया। इस उपलक्ष्य में उसने वापस आकर गंगैकोंडचोलपुरम् नामक नगर की स्थापना की जो दीर्घकाल तक चोलों की प्रधान राजधानी रही।
- राजेंद्र-I ने बंगाल की खाड़ी को चोल झील में तब्दील कर दिया था।

⇒ राजेंद्र III चोल वंश का अंतिम शासक था

⇒ चोल साम्राज्य की प्रशासनिक संरचना :

चोल सम्राटों द्वारा एक विशिष्ट शासन व्यवस्था का निर्माण किया गया जिसमें प्रबल केंद्रीय नियंत्रण के साथ अधिक मात्रा में स्थानीय स्वायत्तता भी थी।

⇒ सम्राट का पद वंशानुगत था

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.3) Continued (जारी)

⇒ सम्राट की प्रतिमा मंदिरों में स्थापित की जाती थी एवं उनकी पूजा की जाती थी।

⇒ साम्राज्य का विभाजन -
प्रांत (मंडलम) → वलनाडु → नाडु (जिला) → उर (ग्राम)

⇒ प्रशासन एक विस्तृत व जटिल नौकरशाही से संचालित था जिसमें उच्च श्रेणी के अधिकारी को पेरुन्दरम व निम्न श्रेणी के अधिकारी को शिरुन्दरम कहा जाता था

⇒ चोल शासकों ने अश्व, गज व पैदल सेना के साथ-2 एक शक्तिशाली नौसेना का गठन भी किया

⇒ चोल वंश का ग्राम प्रशासन
↳ चोल शासन की सर्वोत्कृष्ट विशेषता उनकी ग्रामीण स्वशासन पद्धति थी।
↳ ग्रामों में मुख्यतः दो प्रकार की संस्थाएं कार्यरत थी

| उर | सभा / महासभा |
|---|---|
| ⇒ यह सामान्य गांवों में कार्यरत संस्था थी | ⇒ यह अग्रहार (ब्राह्मणों को दान भेंट) गांवों में होती थी। |
| ⇒ उर की बैठक में समस्त ग्रामवासी भाग लेते थे | ⇒ सभा की कार्यसमिति को वारियम कहा जाता था। |

⇒ इनके कार्य में सिंचाई स्रोत, पेयजल चारागाह इत्यादि शामिल होते थे

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है।

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

04x20=80

प्रश्नः (3.5)

पू./M = 2

प्राप्तांक

उत्तर : बंगाल विभाजन :-

⇒ भारत में 20 वीं सदी का उद्भव एक नवीन आंदोलन के साथ हुआ। इस आंदोलन ने पहली बार भारत के राजनीतिक क्षेत्र के साथ ही कला, साहित्य, संगीत, विज्ञान उद्योग व अन्य क्षेत्रों को भी प्रभावित किया।

⇒ भारत में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत बंगाल विभाजन के विरोधस्वरूप हुई।

⇒ उस समय बंगाल भारतीय राष्ट्रीय चेतना का केंद्रबिंदु था और अंग्रेज इसी विकसित हो रही चेतना को कमजोर बनाना चाहते थे।

⇒ अंग्रेजों का प्रत्यक्षतः उद्देश्य बंगाल को दो प्रशासनिक हिस्सों में बांटकर पूर्वी बंगाल में बंगालियों की संख्या को कम करके उन्हें अल्पसंख्यक बनाना था अर्थात धार्मिक आधार पर विभाजन करना था।

⇒ दिसम्बर 1903 ई. में बंगाल विभाजन के प्रस्ताव की जानकारी जनता को हुई। इस खबर के फैलते ही पूरे बंगाल में विरोध की जबरजस्त लहर उठ खड़ी हुई।

⇒ 16 अक्टूबर 1905 ई. को विभाजन को लागू कर दिया गया इसके पश्चात बहिष्कार आंदोलन ने और जोर पकड़ा।

# कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.4) Continued (जारी)

⇒ इस दिन को 'शोक दिवस' के रूप में मनाया गया एवं सुरेंद्रनाथ बनर्जी तथा आनंद मोहन बोस ने दो विशाल जनसभाओं को संबोधित किया।

⇒ इस विभाजन के दौरान रवींद्रनाथ टैगोर ने 'आमार सोनार बांग्ला' नामक प्रसिद्ध गीत लिखा जो आगे चलकर विभाजन के बांग्लादेश का राष्ट्रगीत बना।

⇒ रक्षाबंधन के उत्सव को हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नए रूप में मनाया गया।

⇒ आंदोलन के दौरान आंदोलन की गति व संघर्ष के तरीकों को लेकर कांग्रेस में मतभेद हो गए व फलस्वरूप 1907 ई. के कांग्रेस के सूरत अधिवेशन में पार्टी का दो खेमों में विभाजन हो गया - (1) नरमपंथी (2) उग्रवादियों

⇒ आंदोलन में महिलाओं ने भी खुलकर भाग लिया - एवं सक्रिय कार्य व राजनीतिक रूप से जागरूक रही।

⇒ 1911 के दिल्ली दरबार में बंगाल विभाजन को रद्द कर दिया एवं भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया।